आईआईएम, रांची में बिरसा मुंडा सेंटर फॉर ट्राइबल अफेयर्स का राज्यपाल ने किया उद्घाटन

ट्राइबल डेवलपमेंट, एंटरप्रेन्योरशिप व प्लानिंग के क्षेत्र में अनुसंधान-प्रशिक्षण के लिए बीएमसीटीए का गठन

सिटी रिपोर्टर . रांची

आईआईएम रांची में बुधवार को बिरसा मुंडा सेंटर फॉर ट्राइबल अफेयर्स (बीएमसीटीए) का उद्घाटन किया गया। इसका उद्घाटन राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू ने वर्चुअल माध्यम से किया। बीएमसीटीए का गठन ट्राइबल डेवलपमेंट, एंटरप्रेन्योरशिप और प्लानिंग के क्षेत्र में अनुसंधान और प्रशिक्षण के लिए किया गया है। इस बाबत आईआईएम रांची ने विकास भारती विशुनपुर और फ्रेंड्स ऑफ ट्राइबल सोसाइटी के साथ एमओयू किया। मौके पर आरयू के वीसी डॉ. रमेश पांडे, आईआईएम रांची के डायरेक्टर प्रो. शैलेंद्र सिंह, चेयरमैन प्रवीण शंकर पांडया, पद्मश्री अशोक भगत, फ्रेंड्स ऑफ ट्राइबल सोसाइटी मुंबई चैप्टर की उपाध्यक्ष नमिता पांड्या, फ्रेंड्स ऑफ ट्राइबल सोसाइटी रांची चैप्टर की अध्यक्ष रेखा जैन आदि मौजूद थे। राज्यपाल ने कहा कि बीएमसीटीए

बीएमसीटीए का उद्घाटन राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू ने आईआईएम में ऑनलाइन मोड पर किया।

झारखंड की जनजातीय कला-संस्कृति के बारे में जागरूकता लाने का कार्य करेगा। यह सेंटर जनजातियों की जीवन-संस्कृति के साथ देश-भर में हो रहे सामाजिक व आर्थिक बदलाव से इन जनजातियों की जीवन शैली पर पड़ रहे प्रभावों पर शोध को बढ़ावा देगा। छात्रों को यह केंद्र आदिवासी जीवन और समाज के महत्व को जानने का अवसर मुहैया कराएगा। वहीं, संस्थान के डायरेक्टर प्रो. शैलेंद्र सिंह ने कहा कि आदिवासी समाज आज भी पिछड़ा है। इस सेंटर का उद्देश्य है लोग जनजातीय मुद्दों, आय सृजन, उद्यमिता कार्यक्रमों पर ज्ञान प्राप्त करें।

प्रवीण शंकर पांड्या ने कहा कि आईआईएम रांची ने समाज की बेहतरी को हमेशा चैलेंज के रूप में लिया है। सरकार द्वारा अदिवासियों के लिए जो लाभकारी योजनाएं शुरू की हैं, उस पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है, ताकि इनका लाभ जरूरतमंदों तक सीधा पहुंचे। वीसी रमेश पांडे ने कहा कि यह एमओयू आदिवासी समुदाय के विकास में सहायक होगा। पद्मश्री अशोक भगत ने कहा कि छात्रों को गांवों और आदिवासी समुदाय के बीच कई नई चीजें देखने- सीखने को मिलेगी। मौके पर ऑनलाइन व ऑफलाइन मोड पर प्रोफेसर व स्टूडेंट मौजूद थे।

Dainik Bhaskar, 25.02.2021, Pg. 04